आत्म प्रतिबिंब की शक्तिः अब हम क्या कर सकते हैं

महामारी का हमारे विश्वास पर गहरा प्रभाव पड़ा है। जापान के मिस्सा में भाग लेनेवालों की संख्या सीमित हो गई, और प्रतिदिन की होनेवाली चर्च प्रबंधन की बैठकें रोक दी गईं। इसलिए आंदोलन को लगभग 50 प्रतिशत तक धीमा कर दिया गया। अभी वातावरण थोड़ा स्थिर हुआ है और जब पिछले साल को देखते हैं तो हम थोड़े बहुत प्रगति को देख पाते हैं।

2019 में मैंने सोचा था कि हम कैसे 2020 में अपने आप को निपुण और कितना विकसित बना सकते हैं। मैंने कल्पनायें की थी कि, ''हम चीजों को इस प्रकार करेंगे; हम चीजों को उस प्रकार करेंगें।'' लेकिन ऐसा नहीं हुआ और मैं निराश हो गया।

तब मुझे पीछे देखने का मौका मिला कि मेरा मरियानिष्ट होने का क्या अर्थ है और इस परिस्थिति में मुझे क्या करना चाहिए। मैंने खुद से सवाल किया, कि ''मरियानिष्ट होने के क्या आर्दश हैं'' जो धार्मिक जीवन का समर्थन करता है? और मैं कैसे अपनी आस्था चर्च में एक यर्थाथपूर्ण रूप में व्यक्त कर सकता हूँ? मैंने महसूस किया है कि मेरे पास इन समस्याओं को गहराई से खोजने का अवसर नही है। इसलिए मैंने नई सोच की तलाश में मरियानिष्टों के बीच विचारों का आदान–प्रदान करने के लिए एक सभा का आयोजन "कैमरे के विशेष लेंस (zoom)" के माध्यम से किया।

एक मरियानिष्ट ने कहाः ''मरियानिष्ट का अकेले धार्मिक कार्य करने का कोई मतलब ही नही है। हमेशा से अन्य मरियानिष्टों ने इसका समर्थन और प्रोत्साहन किया है – पहले हमारे अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा समर्थन मिला है, उसके बाद मरियानिष्ट समुदाय के अन्य सदस्यों द्वारा। इस तरह, हमने उन जड़ों को देखा है जो हमें अस्तित्व में आए हैं, और अब हमने अपने ज्ञान की सीमा को समुदाय उन्मुख दिशा की ओर और अधिक बढ़ाया है और आनेवाले कल को अधिक आशा के साथ देखने का प्रयास किया है। हम मरियानिष्ट किसी भी तरह से अकेले नहीं हैं। हम मरिया के साथ हैं!''

यह व्यक्ति की राय खुद में एक जवाब है। मुझे लगता है कि फादर शामिनाड और एडेल द्वारा बनाया गया समुदाय लोगों के बीच संबंध का विस्तार करना है जो कठिन परिस्थितियों पर काबू पाने के लिए एक मजबूत हथियार होगा।

मरियानिष्ट के रूप में आपकी गतिविधियाँ एवं दूसरे मरियानिष्टों के साथ आप किस प्रकार काम करते हैं? क्या आप अपने समुदाय के अन्य सदस्यों को हिम्मत और उम्मीद देते हैं? क्या आप उस कार्य में पूरी तरह से शामिल हैं, जिससे सदस्य एक साथ महसूस करते हैं? इस विगत वर्ष ने मुझे इस तरह के विचार से पूरी तरह अवगत कराया। 2021 में, हमें इन विचारों को और आगे ले जाने का प्रयास करना चाहिए।

कियोशी हिराता
जापानी जिम्मेदार

आइए, हम द्वितीय वाटिकन महासभा का आलेख पत्र(*Lumen Gentium)* फिर से पढ़ें

महामारी ने हमें अचानक से अवसर दिया है। उनमें से एक अध्ययन समूह है जिसका नाम है ''आइए, *Lumen Gentium* को फिर से पढ़ें।'' मरियानिष्ट महिला को *Lumen Gentium* के अध्याय 8 में चर्च में मरिया के कामों के बारे में सीखने की प्रेरणा मिली। धन्य कुंवारी मरिया के बारे में पढ़ना, रहस्यमयी ईश्वर की माता और चर्च ने उन्हें और अधिक जानने का मौका दिया है। कई सदस्य इस राय से सहमत थे और इस समूह की स्थापना की।

हम महीने में एक बार मरिया–काई के मठ में लगभग 2 घंटे के लिए मिलते थे, और मरिया–काई के पुरोहित ने *Lumen Gentium* की व्याख्या की। बेशक, जापानी अनुवाद का उपयोग किया जाता है, लेकिन कुछ सदस्यों ने कहा कि अंग्रेजी को समझना ज्यादा आसान है, और वे अपने दृष्टीकोण से अपने विचारों के आदान–प्रदान करने में सक्षम थे।

वास्तव में, जैसा कि मैंने पढ़ा है, जिस बात ने सभी को प्रभावित किया वह यह था कि *Lumen Gentium* में जो कहा गया था, वह बहुत कुछ वैसा ही है जैसा कि शामिनाड ने अपने दस्तावेजों में बार–बार बोला था। विशेष रूप से, जब मैंने अध्याय 8 में मरिया की भूमिका और चर्च में उनकी भूमिका को पढ़ा, तो मैं फादर शामिनाड की दूरदर्शिता और नए चर्च के बारे में उनकी नवीनता पर आश्चर्यचकित हुआ। मैं इसके बारे में यहां विस्तार से बात नही कर सकता, लेकिन मुझे लगता है कि फादर शामिनाड के संदेश में बहुत सारी चीजें हैं जिन्हें अब गहराई से समझने की जरूरत है।

महामारी ने हमारे कार्यों को लगभग शून्य कर दिया है। उनके बीच आशा से आगे बढने के लिए, एवं हमारे जीवन को अधिक आशावादी रूप से आगे बढ़ाने के लिए, एक दिशानिर्देश होना चाहिए जो कि आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन ''फिर से *Lumen Gentium* पढ़ने से'' ''मैं दृढ़ता से फादर शामिनाड के शब्दों से आश्वस्त हूँ!''

एक बार फिर, मुझे लगता है कि समाज में आज एम.एल.सी. की भूमिका हम सभी को चर्च के बारे में गहराई से समझने के लिए किया गया है।